राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान प्रणाली का अतीत और वर्तमान के बीच संबंध

"The Relationship Between the Indian Knowledge System and the Past and Present in the National Education Policy''

Dr. Mili Chandrakar

Guest Lecturer Geography

S.D.N. Govt. College Arjunda

Email – chandrakarmili@gmail.com

Abstract (सारांश) – भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 शिक्षा प्रणाली को आधुनिक और कौशल आधारित बनाने के साथ–साथ भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने पर बल देती है। इसी उद्देश्य को पूरा करने हेतु NEP में IKS (Indian knowledge system) के पहल को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। यह भारत के प्राचीन ज्ञान स्थानीय परंपराओं, लोक विद्या, संस्कृति, चिकित्सा, कृषि, गणित, खगोल, वास्तुकला, साहित्य और दर्शन को आधुनिक शिक्षा एवं अनुसंधान से जोड़ने का प्रयास करती है।

यह शोध पत्र NEP के IKS Initiative की अवधारणा, उद्देश्य, महत्व, कार्यान्वयन रणनीतियो तथा चुनौतियों का अध्ययन करता है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि IKS पहला भारतीय समाज को अपनी संस्कृति पहचान से जोड़ते हुए नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

Keywords : NEP 2020, IKS India Knowledge system, Lokavidya, Traditional शिक्षा सुधार,अनुसंधान,संस्कृति,नवाचार

Introduction (परिचय)– भारत एक ऐसा देश है जिसकी शिक्षा और ज्ञान परंपरा विश्व की सबसे प्राचीन और समुद्र परंपराओं में गिनी जाती है। प्राचीन भारत में तक्षशिला नालंदा विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय ने ज्ञान की विविध क्षेत्रों में योगदान दिया परंतु समय के साथ औपनिवेशिक प्रभाव और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ने भारतीय ज्ञान परंपरा को मुख्यालय से दूर कर दिया इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए। NEP 2020 ने शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित करने हेतु IKS Initiative की

शुरुआत को महत्वपूर्ण माना है। यह पहल अतीत की सांस्कृतिक विरासत और वर्तमान की तकनीकी तथा वैज्ञानिक शिक्षा के बीच एक मजबूत पुल बनने का प्रयास है।

Concept of IKS (IKS की अवधारणा) – IKS का आशय भारत की Lokavidya और knowledge system से हैं। इसमें निम्नलिखित शामिल होते हैं–

1. पारंपरिक चिकित्सा (आयुर्वेद, यूनानी)
2. योग और ध्यान परंपरा
3. भारतीय गणित और खगोल विज्ञान
4. पारंपरिक कृषि
5. हस्तशिल्प, कला, संगीत, लोक नृत्य
6. वास्तु कला एवं स्थापत्य ज्ञान
7. भारतीय दर्शन और नैतिक शिक्षा
8. लोक कथाएं, लोक साहित्य और परंपरागत ज्ञान

IKS का उद्देश्य केवल पुराने ज्ञान को दोहराना नहीं है बल्कि उसे आधुनिक संदर्भ में पुनः उपयोगी बनाकर शिक्षा और अनुसंधान से जोड़ना है।

Objectives of IKS Initiative (IKS पहल के उद्देश्य) – NEP 2020 के अंतर्गत IKS के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनर्जीवन – भारत की पारंपरिक ज्ञान संपदा को संरक्षित और पुन: स्थापित करना।
2. शिक्षा में सांस्कृतिक जड़ों का समावेश– छात्रों को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपरा से जोड़ना।
3. आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकरण– पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान से जोड़ना।

4. नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा – IKS आधारित अनुसंधान द्वारा समाधान और तकनीकी विकास करना।

5. स्थानीय समुदायों और कारीगरों को सम्मान – लोकविधा के जानकार जैसे किसनो, कारीगरों वैद्ययो और कलाकारों के ज्ञान को मान्यता देना।

Need of IKS Initiative (IKS पहल की आवश्यकता) – भारत में लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था मुख्यता पश्चिमी मॉडल पर आधारित रही इसके कारण–

1. भारतीय पारंपरिक ज्ञान को कम महत्व मिला।

2. छात्रों में सांस्कृतिक पहचान कमजोर हुई।

3. लोक कला और पारंपरिक कौशल समाप्ति की ओर बढ़े।

4. स्थानीय समस्याओं का समाधान स्थानीय ज्ञान से नहीं हो पाया।

इसलिए LKS पहल आवश्यक है ताकि भारत अपनी जड़ों से जुड़कर आधुनिक शिक्षा में आत्मनिर्भर बन सके।

IKS Initiative as a Bridge Between Past and Present (अतीत और वर्तमान के बीच सेतु)– IKS अतीत और वर्तमान के बीच सेतु का काम निम्न आधार पर करता है–

1-Traditional knowledge to modern education (पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा तक) –, NEP 2020 यह मानती है कि प्राचीन ज्ञान परंपरा में केवल आध्यात्मिकता ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी था जैसे– 1. शून्य की खोज 2. दशमलव प्रणाली 3. योग विज्ञान 4. जल संरक्षण और सिंचाई प्रणाली।

2- Cultural Identity and global Competence (सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक प्रतिस्पर्धा)– IKS भारतीय युवाओं को अपनी पहचान से जोड़ती है साथ ही यह उन्हें वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा हेतु प्रेरित करती है जब कोई समाज अपनी जड़ों से जुड़ता है तब वह आत्मविश्वास के साथ विकास करता है।

3- Sustainable development Through IKS (IKS द्वारा सतत विकास)– लोकविधा में पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली पर बल मिलता है जैसे – 1. प्राकृतिक खेती

2. जैविक खाद का उपयोग

3. जल संरक्षण के पारंपरिक तरीके

4. पर्यावरण संतुलन की परंपरा

Role of IKS in Research and Innovation (अनुसंधान और नवाचार में भूमिका) –NEP 2020 अनुसंधान को शिक्षा का मुख्य आधार मानती है। IKS पहल अनुसंधान में निम्न प्रकार से योगदान देता है –

1. पारंपरिक औषधियों पर वैज्ञानिक परीक्षण।

2. आयुर्वेदिक चिकित्सा के आधुनिक उपयोग।

3. पारंपरिक कृषि तकनीक पर शोध।

4. वास्तु और स्थापत्य के आधुनिक अनुप्रयोग।

5. योग एवं ध्यान का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव।

Implementation strategies (कार्यान्वयन रणनीतियां)– IKS पहल को सफल बनाने हेतु , NEP 2020 निम्न उपायों पर बल देती है–

1- Curriculum Integration (पाठ्यक्रम में समावेश) – विद्यालय और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित विषयों को शामिल करना।

2- Multidisciplinary Approach (बहुविषयक दृष्टिकोण)– IKS को विज्ञान कला प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान से जोड़कर पढ़ना।

3- Recearch centre and institutions (अनुसंधान केंद्र) – Indian knowledge system पर केंद्रित विशेष संस्थानों और शोध केंद्रों की स्थापना।

4- Documentation and digital Preservation (डिजिटल संरक्षण) – लोकविद्या दस्तावेजीकरण का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रखना।

5- Community participation (समुदाय सहभागिता)– स्थानीय कारीगरों, वैद्यों, किसानो, कलाकारों को शिक्षा संस्थाओं से जोड़ना।

Challenges in IKS Initiative (IKS पहल की चुनौतियां) – IKS की निम्न चुनौतियां हैं–

1- Lack of Proper Documentation (दस्तावेजीकरण की कमी) – लोकविधा का अधिकांश ज्ञान मौखिक परंपरा में है जो लिखित रूप में उपलब्ध नहीं है।

2- Limited Awareness (जागरूकता की कमी)– छात्रों और शिक्षकों में भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं है।

3- Need for scientific Validation (वैज्ञानिक प्रमाण की आवश्यकता)– कुछ पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक परीक्षण से प्रमाणित करना आवश्यक है।

4- Teacher Training Issue (शिक्षक प्रशिक्षण की समस्या)– IKS पढ़ने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता है।

Suggestion (सुझाव)–

IKS पहल को प्रभावी बनाने हेतु निम्न सुझाव दिए जा सकते हैं–

1. लोकविधा का राष्ट्रीय स्तर पर दस्तावेजीकरण।
2. विश्वविद्यालय में IKS आधारित विभागों की स्थापना।
3. शिक्षकों हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम।
4. पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शोध के साथ जोड़ना।
5. स्थानीय विशेषज्ञों और समुदायों को शिक्षा में भागीदारी बनाना।

Conclusions (निष्कर्ष)–

NEP 2020 की IKS पहले भारत की शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत देती है यह पहल भारतीय समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत को जोड़ते हुए आधुनिक ज्ञान और अनुसंधान के साथ संतुलन स्थापित करती है। IKS पहल केवल अतीत का गौरव गान नहीं बल्कि वर्तमान

की समस्याओं के समाधान हेतु एक व्यवहारिक मार्ग है। यदि इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण उचित प्रशिक्षण और सही कार्यान्वयन के साथ लागू किया जाए तो यह भारत को शिक्षा अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्व अग्रणी बना सकती है।

Reference (संदर्भ सूची)

Government of India (2020) : National Educations Policy 2020 Ministry of Education New Delhi.

Ministry of Education (2021) : Implementation Guidelines of NEP 2020 government of India.

Unesco (2019) : Education for Sustainable Development Goals Unesco Publishing.

Ncert (2022) : India Knowedge Traditions and Education Ncert Publication.

Niti Aayog (2021) : India Innovation and Knowledge Economy Report Govertment of India.

Sharma R. (2021) : India Knowledge System and NEP 2020 Journall of Educational Research, 15 (2), 45-55

Sen A (2020) : The Idea of India and Knowledage Traditions Oxford University Press.

Kothari Commission Report (1964-66) : Education and National Development Government of India.